CAREER & EDUCATION

अमर उजाला

उड़ान

वर्ष 09 | अंक 46 | बुधवार | 17 नवंबर 2021 | ₹1

आखिर हम सफल क्यों नहीं हो पाते ?

PAGE 03

एजुकेशन

आपका रेज्यूमे इंप्रेसिव होना चाहिए ताकि इम्प्लॉयर आपसे प्रभावित हुए बिना न रह सके...

PAGE 10

कॅरिअर मंत्रा

ह्यूमन रिर्सोस विभिन्न लोगों से बात करता है एवं टीम में एक सहयोगी की तरह होता है...

अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ में नहीं आते हैं, उन्हें पढ़ना पड़ता हैं।
- गुलजार, प्रसिद्ध कवि, लेखक और फिल्म निर्देशक

अकेले ही चुनौतियां

करें स्वीकार

आज के समय में अकेलापन व्यक्ति को कई तरह से प्रभावित करता है। एक अकेला रह जाने वाला व्यक्ति जीवन के प्रति अपना उत्साह खोने लगता है। उसमें नकारात्मकता बढ़ने लगती है और उसके विचारों, शब्दों और कार्यों का विकास नकारात्मक दिशा में होने लगता है। फलस्वरूप, वह खुद के लिए ही हानि पहुंचाने वाले निर्णय लेने लग जाता है। ऐसे निर्णय, जो जीवन को सकारात्मक अथवा सही दिशा से पूरी तरह विलग कर देते हैं। अकेलेपन के अपने फायदे भी हैं। इस दौरान आपको तंग करने वाला कोई नहीं होता और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आप अपने हुनर और कौशल को तराश सकते हैं। अकेले में आप खुद को उन्नयित करने के लिए अपने चारों ओर एक सहयोग प्रणाली व तंत्र की रचना कर लेते हैं। ऐसे में आपको यह सुनिश्चित कर लेने में कोई समस्या नहीं होती कि कठिन और संघर्षपूर्ण स्थितियों में भी आपको कैसे सकारात्मक और प्रगतिशील बनना है। अकेले में हम इस प्रश्न पर विचार करें कि मेरे लिए क्या महत्वपूर्ण है? क्या मेरा एक अर्थपूर्ण और बदलते जीवन में जीना और संसार में अपना योगदान देना संभव है? या फिर मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं चुनौतियां स्वीकार करूं? ऐसे सवाल लगभग प्रत्येक आम और खास व्यक्ति के दिमाग में कभी न कभी अवश्य आते हैं।

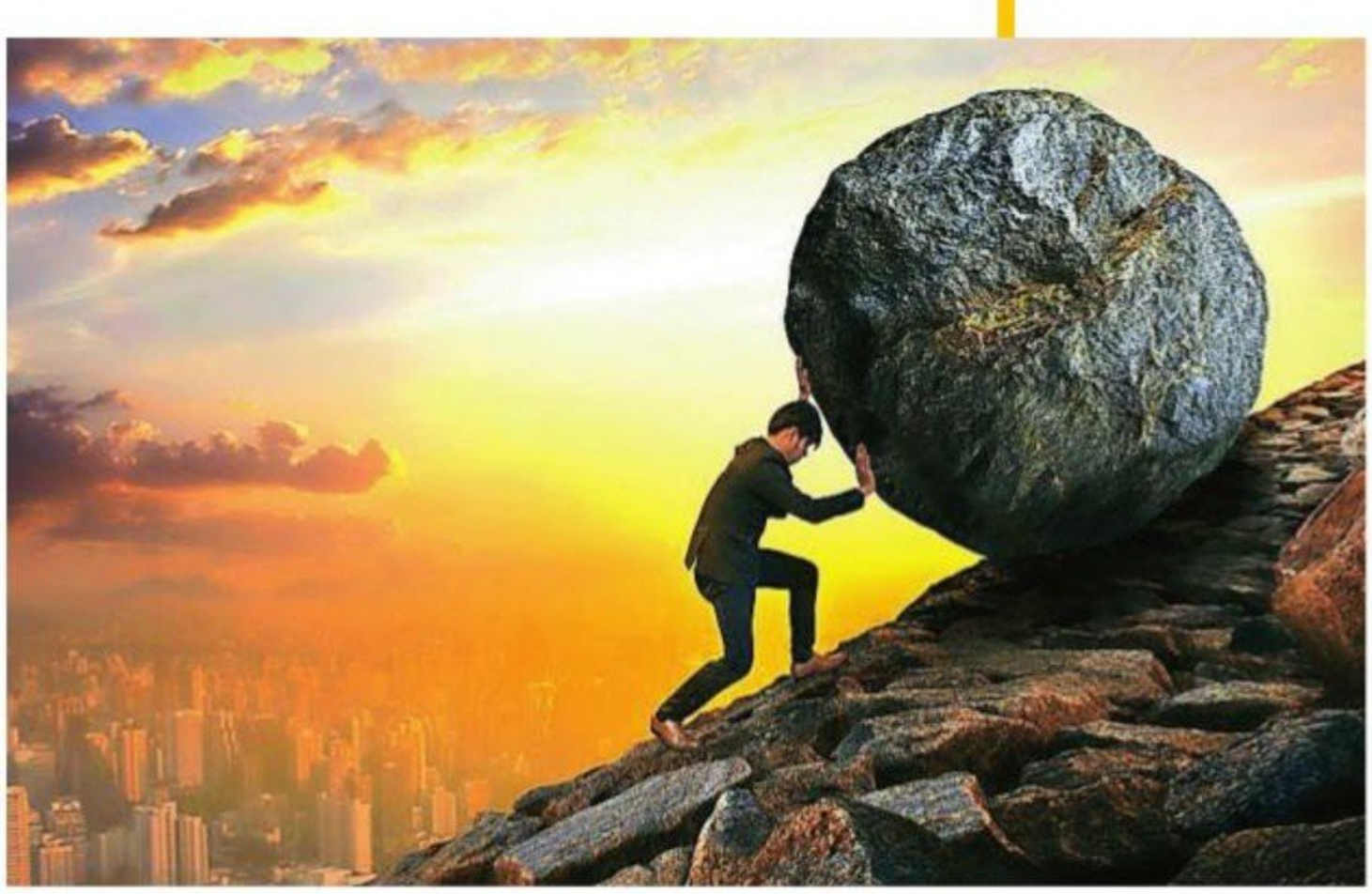

ध्यान दें कि हर कोई चाहता है कि मैं जीवन में कुछ बड़ा करूं और एक प्राणवान, ऊर्जावान और उत्तेजनापूर्ण जीवन जीते हुए लोगों को एक भरा-पूरा उपलब्धियों व यश से परिपूर्ण जीवन जीने में सहायता कर सकूं। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि हम स्वयं एवं स्वयं की योग्यताओं में विश्वास रखें और स्वयं का पूर्णत: विकास करें। हमें जहां से भी जो कुछ मिला है, उसको अधिक से अधिक लौटाने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325
RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

रेज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

आपका रेज्यूमे इंप्रेसिव होना चाहिए ताकि इम्प्लॉयर को वह पसंद आ जाए और आपको जॉब के लिए शॉर्टलिस्ट कर लें...

शशि कान्त सिंह
कॅरिअर सलाहकार

अच्छी जॉब के लिए आपका रेज्यूमे इंप्रेसिव और क्रिएटिविटी भी होना चाहिए। इन तरीकों से स्ट्रॉन्ग बनाएं अपना रेज्यूमे।कोरोना के समय में भी काफी कंपनियों ने भर्ती शुरू कर दी है। ऐसे में बहुत से लोग जॉब के लिए ट्राई कर रहे हैं। ऐसे में नई जॉब के लिए रेज्यूमे काफी अहम् हो जाता है। अगर आप भी अपनी मनपसंद जॉब पाना चाहती हैं तो सिर्फ जॉब साइट्स खंगालने से काम नहीं चलेगा। उसके लिए आपका रेज्यूमे भी इंप्रेसिव होना चाहिए ताकि इम्प्लॉयर को वह पसंद आ जाए और आपको जॉब के लिए शॉर्टलिस्ट कर लें। अगर आप भी कोई नई जॉब तलाश रही हैं तो आपको रेज्यूमे में कुछ जरुरी बदलाव करना चाहिए। आज इस लेख में हम रेज्यूमे को स्ट्रॉन्ग और इंप्रेसिव बनाने के बारे में कुछ खास पॉइंट्स जानेगें।ऐसा नहीं है कि रेज्यूमे तीन से चार पेज का बना देने से ही आप जल्द ही जॉब के शॉर्टलिस्ट हो जायेंगे। रेज्यूमे जितने कम पेज का और इंप्रेसिव होगा किसी भी जॉब के लिए शॉर्टलिस्ट होने का चांस अधिक रहता है। लगभग हर कंपनी फर्स्ट पेज को ही अच्छे से देखती है, अगर अपनी फर्स्ट पेज पर अपनी कार्यों को इंप्रेसिव तरीके से रखा है तो जॉब मिलने का चांस अधिक रहता है।रेज्यूमे में क्रिएटिविटी लाएंआजकल नेट पर ऐसी कई वेबसाइट है जहां आसानी से ये देख सकती हैं कि रेज्यूमे को एक अलग और उसमें कुछ क्रिएटिविटी लाने के लिए क्या करना होता है। रेज्यूमे जिनता सिंपल और क्रिएटिव तरीके से लिखा जाएगा जॉब के लिए शोर्टलिस्ट होने का मौका उतना ही अधिक रहता है।दो पेज का रेज्यूमे है काफी ऐसा नहीं है कि रेज्यूमे तीन से चार पेज का बना देने से ही आप जल्द ही जॉब के शोर्टलिस्ट हो जायेंगी। रेज्यूमे जितने कम पेज का और इंप्रेसिव होगा किसी भी जॉब के लिए शोर्टलिस्ट होने का चांस अधिक रहता है। लगभग हर कंपनी फर्स्ट पेज को ही अच्छे से देखती है, अगर अपनी फर्स्ट पेज पर अपनी कार्यों को इंप्रेसिव तरीके से रखा है तो जॉब मिलने का चांस अधिक रहता है।

अपने कार्य का अनुभव और सैंपल्स करें शामिल

अपना रिज्यूम भेजते समय अगर संभव हो तो अपने काम के सैंपल भी साथ में प्रस्तुत करें।

कठिन शब्दों के इस्तेमाल से बचें

अपने रिज्यूमे में कठिन शब्दों का इस्तेमाल न करें।अगर आपको लगता है कि आप टफ वड्र्स को यूज कर अच्छा इंप्रेशन बना सकेंगे तो आप गलत है। कोशिश करें ऐसे शब्दों का प्रयोग करें जो आमतौर पर बोले जाते हैं। अगर आप कठिन शब्दों का प्रयोग करते हैं तो उसका मतलब जरूर जानें।

रेफरेंस भी है महत्ववपूर्ण आप जिस इंडस्ट्री या कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। उस इंडस्ट्री या कंपनी में अगर आपकी कोई जान-पहचान का है, तो उसका रेफरेंस मेंशन कर सकते हैं। एक सीमित स्पेस वाले रेज्यूमे में आपको सुधार तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि आप अपनी रेज्यूमे से संतुष्ट ना हो जाएं।पीडीएफ में भेजें रिज्यूमआपको अपने रिज्यूम को वर्ड या डॉक्यूमेंट के स्थान पर पीडीएफ के रूप में सेव करना और भेजना चाहिए। इससे आप यह सुनिश्चित करते हैं कि हायरिंग मैनेजर्स आपके रिज्यूम को वैसे ही देखते हैं, जैसा कि आपने उसे सेव किया है। यदि आप इसे किसी अन्य तरीके से भेजते हैं, तो हो सकता है कि इसका स्टाइल, प्रारूप व .फ़ॉन्ट आपके कंप्यूटर से थोड़ा अलग दिखे।पढ़ने में हो आसानएक से दो पेज का रिज्यूम लिखने का अर्थ यह कतई नहीं है कि आप उसके फॉन्ट को बेहद छोटा कर दें और फिर एच.आर हेड के लिए उसे पढ़ना काफी मुश्किल हो जाए। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि वह पढ़ने में आसान हो। कभी भी फॉन्ट साइज बहुत छोटा या बड़ा ना रखें।

"आपका रिज्यूमे देखकर ही डिसाइड कर लिया जाता है कि आपको इंटरव्यू के लिए बुलाएं या नही। रिज्यूमे का आपके करियर में बहुत महत्व है इसलिए ये जरूरी है कि अच्छे से सोच-समझकर ही रिज्यूमे बनाए।"

व्यक्तित्त्व विकास

आखिर हम सफल क्यों नहीं हो पाते हैं?

इस दुनिया में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है। किंतु सफलता का मार्ग आसान नहीं होता है। इसके लिए कठिन मेहनत के साथ कठोर संकल्प की दरकार होती है...

गुरुकुल की इस बार की परीक्षा में भी वह शिष्य सफल नहीं हो पाया था। क्रोधवश गुरु ने उस शिष्य को आश्रम त्याग कर अपने घर जाने का आदेश दिया, "पढ़ाई–लिखाई तुम्हारे वश की नहीं है। अच्छा होगा यदि तुम अपने घर वापस जाकर अपने माता-पिता की उनके घरेलू कार्यों में सहायता करो। यहां पर तुम्हारा बहुमूल्य समय यूं ही बर्बाद होता देखकर मुझे दुःख होता है।"

गुरुकुल से प्रस्थान करते समय सहपाठियों के साथ गुरु भी बिना रोये नहीं रह पाए। चलते-चलते दोपहर का सूरज काफी गर्म हो चुका था और शिष्य का प्यास के मारे बुरा हाल हो रहा था। थक-हार कर वह एक कुंए के पास आकर बैठ गया। दुनिया से बेसुध पास में ही बच्चे खेल रहे थे, शोर मचा रहे थे, महिलायें कुंए से पानी खींच कर अपने घड़े भर रही थी। अकस्मात शिष्य की नजर कुंए की जगत पर गयी। बाल्टी में बंधी रस्सी की रगड़ से कुंए के जगत पर गहरे निशान और गड्ढे पड़ गये थे।

दुखी बालक के मन में एक विचार कौंधा, "लगातार रगड़ से यदि इस पाषाण पर निशान पड़ सकता है तो क्या मैं इतना जड़बुद्धि हूं कि कठिन मेहनत करके सफल नहीं हो सकता?" उसी क्षण वह वापस गुरुकुल पहुंचा और अपने गुरु के चरणों में गिर पड़ा, "आप मुझे एक अंतिम अवसर दे दीजिये। मैं इस बार अवश्य आपको सफल होकर दिखाऊंगा। असफल होने पर मैं खुद गुरुकुल का त्याग कर वापस लौट जाऊंगा ।" गुरु द्रवित हो गये और उन्होंने अपने शिष्य की प्रार्थना स्वीकार कर ली। शिष्य की आंखें खुल चुकी थीं और उसे जीवन में सफलता का दिव्य ज्ञान प्राप्त हो चुका था। कठोर संकल्प और कठिन मेहनत के बल पर इस बार शिष्य गुरुकुल की परीक्षा में सफल हो गया था। अपने शिष्य को मिली सफलता को गहराई से महसूस कर गुरु की आंखें भर आयीं। क्या आप थोड़ा भी अनुमान लगा सकते हैं कि उपर्युक्त एनिकडोट में किस महान व्यक्तित्व जीवन-गाथा के बारे में उल्लेख किया गया है? यह अन्तेवासी और कोई नहीं बल्कि संस्कृत भाषा के सबसे बड़े वैयाकरण पाणिनि थे। संस्कृत व्याकरण पर रचित उनकी पुस्तक अष्टाध्यायी आज भी विश्व की सर्वोत्तम कृतियों में शुमार होती है।

पाणिनि महज एक व्याकरणाचार्य का नाम नहीं है, बल्कि यह नाम है कठोर संकल्प का, यह नाम है कठिन मेहनत का और यह नाम है अपने सपनों को साकार करने के लिए दृढ प्रतिज्ञा का। सच पूछिये तो हम सभी के अन्दर भी एक पाणिनि बैठा होता है जिसे हम दुर्भाग्यवश देख ही नहीं पाते हैं। पाणिनि को देख नहीं पाने की हमारी अयोग्यता ही हमारी असफलता का कारण होती है।

इस दुनिया में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है? किंतु सफलता का मार्ग आसान नहीं होता है। इसके लिए कठिन मेहनत के साथ कठोर संकल्प की दरकार होती है ।

श्रीप्रकाश शर्मा
कॅरिअर काउंसलर

पहले खुद से प्रश्न पूछें कि आप कौन हैं

- हम इसीलिए भी असफल हो जाते हैं कि हम खुद को ताउम्र पहचान ही नहीं पाते हैं। स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर, क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर सरीखें व्यक्तित्व ने खुद को बड़ी जल्दी पहचान लिये और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। हम संपूर्ण जीवन भ्रम में गुजारते हैं- क्या करें, क्या नहीं करें, क्या अच्छा

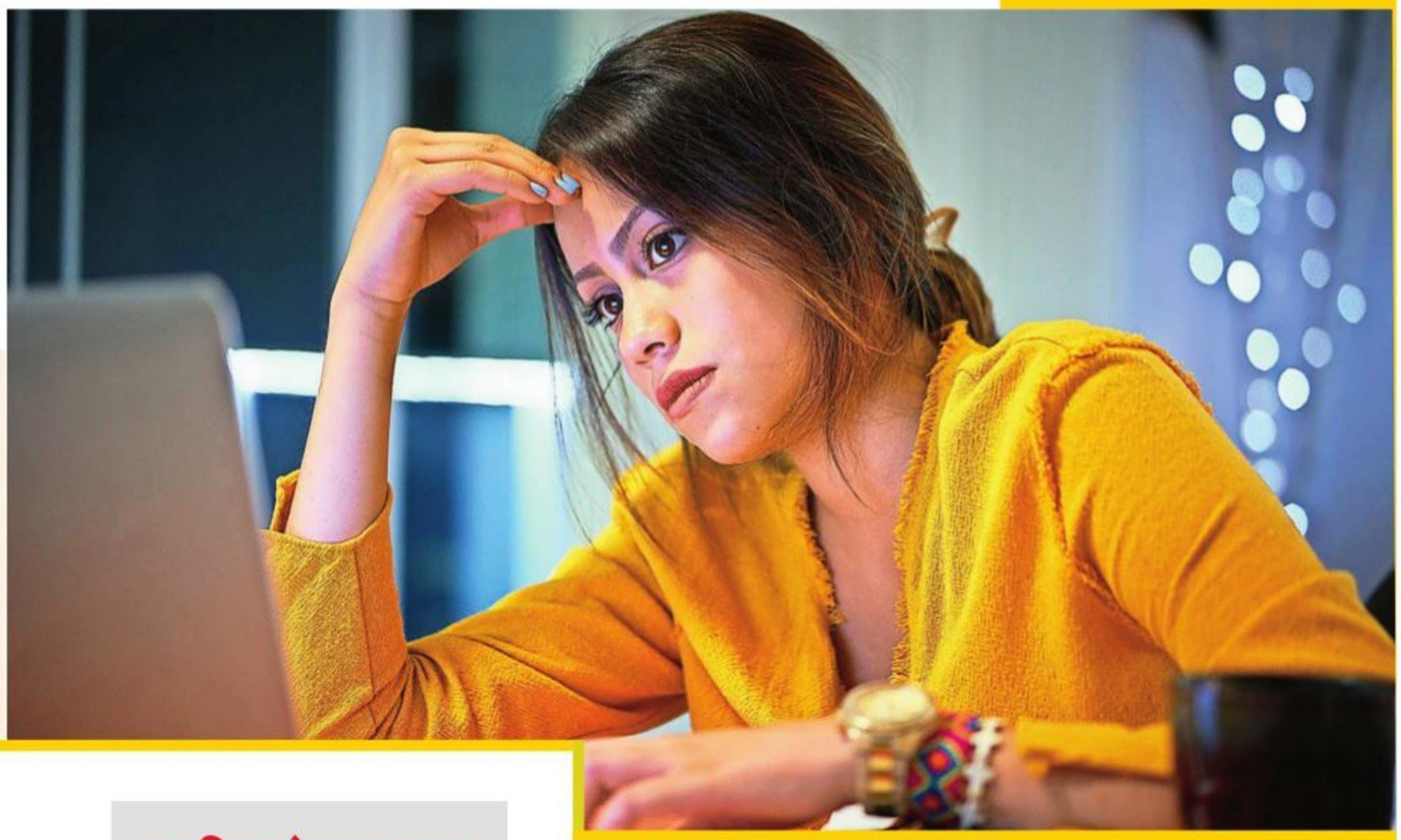

कठिन मेहनत का कोई विकल्प नहीं

मौजूदा दौर में प्रायः हर व्यक्ति इंस्टेंट सफलता की चाह रखता है। इसे 'क्विक-फिक्स सक्सेस एस्पिरेशन' भी कहते हैं। किंतु हम इस तरह के सपनों में छुपी जीवन की एक बहुत कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि जीवन में सफलता के लिए कठिन मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है । जितने बड़े हमारे सपने होते है उसे साकार करने के लिए मेहनत भी उतनी ही कठिन करनी होती है।

है, क्या खराब है और न जाने क्या-क्या सोचते रहते हैं और इसी कन्फ्यूजन में अपना कीमती वक्त जाया कर लेते हैं। इस बात को हमेशा अपने जेहन में रखें कि इस दुनिया में हर शख्स अपने आप में अद्भूत है जिसकी बराबरी कोई दूसरा नहीं कर सकता है।

लिहाजा अपने टैलेंट की पहचान करें और खुद में यह ढूंढ़ लें कि आप में क्या अद्भुत है और आपको क्या करना अच्छा लगता है। फिर उसमें सफल होने के लिए संकल्प के साथ लग जाएं ।

परफेक्ट बनने की कोशिश न करें

- गौतम बुद्ध का मानना था, "हम जीवन में दो घातक गलतियां करते हैं और जिसके कारण सफल नहीं हो पाते हैं। एक, पूरा न करना, दूसरा शुरू न करना। अक्सर इन दोनों के पीछे एक ही वजह होती है – परिपूर्ण बनने की चाहत ।" इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी विधा में कभी भी पूर्ण नहीं होता है। हर व्यक्ति जीवन के अंतिम सांस तक सीखता ही रहता है। इसलिए परफेक्ट होने की चाहत में सपने देखना बंद नहीं करें, थक-हार कर बैठ नहीं जाएं। इंसान नियमित रूप से अभ्यास करने से ही पूर्ण बनता है ।

सही समय के आने की प्रतीक्षा न करते रहें

- किसी कार्य को शुरू करने के लिए अच्छे समय के आने का इंतजार करना मानवीय फितरत है। जबकि सच्चाई यही है कि जीवन में इस तरह का सही समय कभी नहीं आता है। महान हिंदी साहित्यकार जयशंकर प्रसाद का मानना था कि जीवन में कोई बड़ा कार्य करने के पूर्व दुर्बल विचार आते हैं। आत्मविश्वास को दृढ़ रखते हुए जो कार्य किया जाता है उससे अधिक सही समय कोई नहीं होता है।

कभी भी हार नहीं मानें निरंतर संघर्ष करते रहें

जीवन में सफलता का जश्न मनाना स्वाभाविक प्रवृत्ति है और इसके लिए किसी स्टिमुलस की जरूरत नहीं होती है । किंतु असफलता हमें अन्दर से तोड़ देती है, अपने उद्देश्य में फेल होने की स्थिति में इन बातों को कभी न भूलें:

- असफलता का अर्थ यह कदापि नहीं होता है कि आप काबिल नहीं हैं और आपमें टैलेंट का अभाव है ।
- असफलता सफल होने की कोशिश में एक अस्थायी किंतु अनिवार्य पड़ाव है। इसको पार किये बिना सपनों को साकार करना संभव नहीं है ।
- असफलता से बड़ा कोई शिक्षक नहीं होता है। यह हमारे लिए सही रोडमैप बताता है और हमारी कमियों को दर्शाता है।
- असफलताओं की पीड़ा और इसके चुभन को झेलना सीखें । घबराएं नहीं, हिम्मती बनें और फिर से चलने के लिए उठकर खड़े हो जाएं । गिरने पर उठने से इनकार कर देने से बड़ी जीवन में कोई हार नहीं है ।

लिहाजा जब भी आप मकसद में असफल हो जाएं तो हताश होकर डिप्रेशन में जाने की बजाय अपनी कमियों को ईमानदारी से ढूंढें और फिर उन्हें दूर करने में जुट जाएं।

आजकल ऐसे कई विकल्प उपलब्ध हैं जहां मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक अपनी किस्मत आजमा सकते हैं और नीट पास किए बिना भी शानदार वेतन वाला जॉब कर सकते हैं...

'नीट' के बिना भी मेडिकल में हैं मौके

बायोलॉजी विषय से पढ़ाई करने वाले युवाओं के एक बड़े वर्ग की चाह मेडिकल की तरफ जाने की होती है, किंतु नीट में सफल न होने के कारण कदम पीछे हो जाते हैं। आजकल ऐसे कई विकल्प उपलब्ध हैं जहां मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा सकते हैं और बेहतर नीट रिजल्ट लाये बिना भी शानदार वेतन वाला जॉब कर सकते हैं।

पात्रता अथवा मानदंड

उम्मीदवार ने निर्धारित प्रतिशत के साथ कक्षा-12 में भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान /गणित(पीसीबी/पीसीएस)की पढ़ाई की हो।

पशु चिकित्सा

पशु-चिकित्सा विज्ञान में मनुष्येतर जीवों की शरीर रचना, शरीरक्रिया, विकृति विज्ञान, भेषज (फार्मेसी) तथा शल्यकर्म का अध्ययन होता है।

मनोवैज्ञानिक चिकित्सा

किसी मनोचिकित्सक द्वारा किसी मानसिक रोगी के साथ संबंध पूर्वक बातचीत एवं सलाह मनोचिकित्सा या मनश्चिकित्सा कहलाती है। यह लोगों की व्यवहार सम्बन्धी विविध समस्याओं में बहुत उपयोगी होती है।मनोचिकित्सक कई तरह की तकनीकें प्रयोग करते हैं,जैसे-प्रायोगिक सम्बन्ध-निर्माण,संवाद,संचार तथा व्यवहार-परिवर्तन आदि।

इनके अतिरिक्त कुछ अन्य कोर्सेस भी हैं, जो मेडिकल क्षेत्र में अपना विशेष योगदान देते हैं जो निम्नलिखित हैं-

एडवांस्ड केयर,एनेस्थीसिया असिस्टेंट और टेक्नोलॉजिस्ट, एनाटॉमी (गैर-नैदानिक), असिस्टेंट बिहैवियर एनालिस्ट, बिहैवियर एनालिस्ट, बायोकेमिस्ट्री, बर्न केयर टेक्नोलॉजिस्ट, सेल जेनेटिसिस्ट, क्लिनिकल कोडर, क्लिनिकल सोशल वर्कर (काउंसलर के अलावा), क्रिटिकल केयर या इंटेसिव केयर यूनिट टेक्नोलॉजिस्ट, साइटोटेक्नोलॉजिस्ट, डायग्नोस्टिक मेडिकल रेडियोग्राफर, डायग्नोस्टिक मेडिकल सोनोग्राफर, डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजिस्ट, डायटिशियन, क्लीनिकल डायटिशियन सहित, फूड सर्विस डायटिशियन इकोलॉजिस्ट, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) टेक्नोलॉजिस्ट या इकोकार्डियोग्राम (ईसीएचओ) टेक्नोलॉजिस्ट, इलेक्ट्रो-एन्सेफ्लोग्राम या इलेक्ट्रोन्यूरोडाइग्नॉस्टिक, इमरजेंसी मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट इत्यादि।

चिकित्सा पाठ्यक्रम अथवा कोर्स

नर्सिंग

नीट के बिना नर्सिंग की पढ़ाई की जा सकती है। न केवल मानवता का इलाज करने के लिए बल्कि, जरूरतमंदों के प्रति स्नेह, देखभाल और धैर्य के गुण भी बीएससी नर्सिंग प्रोग्राम विकसित करता है। यह चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र का 4 वर्ष का स्नातक पाठ्यक्रम है।

फार्मेसी

फार्मेसी के इस क्षेत्र में नई-नई दवाइयों की खोज और उसके विकास का कार्य किया जाता हैं, इसके अलावा फार्मेसी के इस क्षेत्र में दवाओं के बनाने से लेकर, पैकेजिंग, मार्केटिंग, वितरण और मैनेजमेंट तक के सभी काम किए जाते हैं, ऐसे में फार्मेसी कोर्स कर कॅरिअर बनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

फिजियोथेरेपी

फिजियोथेरेपी को फिजिक्स ट्रीटमेंट भी कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की ही एक शाखा है। इसमें उपचार की एक अलग पद्धति होती है, जिसमें एक्सरसाइज, हाथों की कसरत, पेन रिलीफ मूवमेंट के द्वारा दर्द को दूर किया जाता है। इस थेरेपी का उद्देश्य रोग के कारण को जानवार उस रोग से रोगी को मुक्त करना होता है।

सीखें शुद्ध लिखना पढ़ना और बोलना

आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविद् और समीक्षक

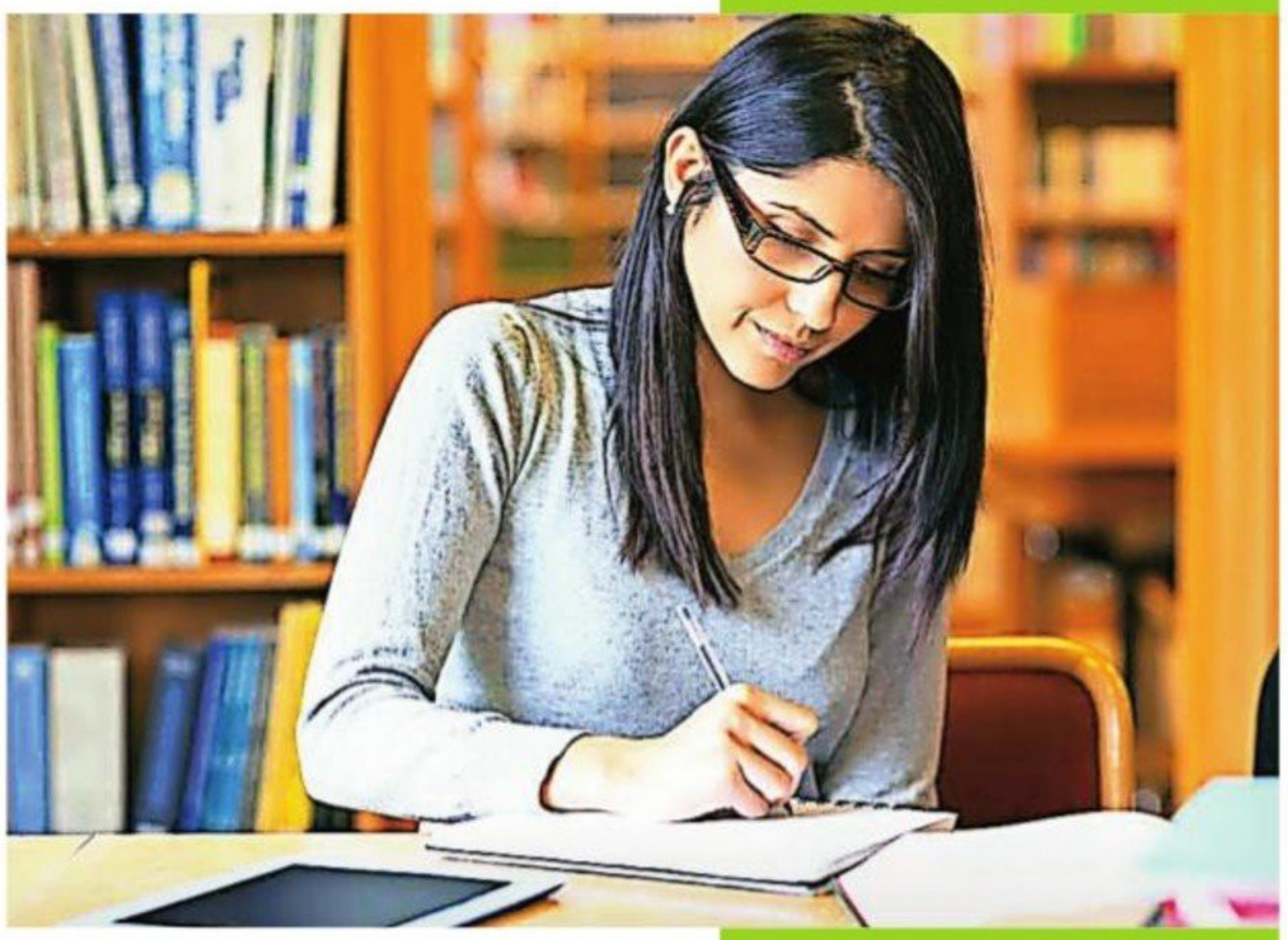

प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में शब्दों और वाक्यों को शुद्ध करने से सम्बन्धित कई प्रश्न किये जाते हैं...

हिन्दी-भाषा और व्याकरण से जुड़ी सभी परीक्षाओं में ज्यादातर विद्यार्थी प्रतिवर्ष असफल होते देखे जा रहे हैं। इसका एक पक्ष यह है कि विद्यार्थी भाषा-व्याकरण को महत्त्व नहीं देते या फिर उन्हें क्लिष्ट समझकर उनके पास आने से कतराते हैं। यही कारण है कि विद्यार्थी भाषा-व्याकरण से जितनी दूरी बनाते हैं, उतने ही समीप ये दोनों ही विषय उनका पीछा करते हैं।

यह भलीभांति समझ लेना चाहिए कि प्रत्येक अक्षर (क्, ख्, ग्, च्, र्, इत्यादिक) और वर्ण (क, ख, ग, च, र इत्यादिक) के उच्चारण (मौखिक भाषा) और लेखन (लिखित भाषा) के समय उनका आधार एकमात्र व्याकरण होता है। प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में शब्दों और वाक्यों को शुद्ध करने से सम्बन्धित कई प्रश्न किये जाते हैं; पत्रलेखन, निबन्धलेखन, सार-सारांश-सक्षेपण, निबन्ध, अर्थ, भाव, व्याख्या तथा किसी भी प्रकार का लेखन करते समय व्याकरण का सर्वाधिक महत्त्व ('महत्व' अशुद्ध है।) होता है। मेरी मान्यता है, "भाषा यदि शरीर है,तो व्याकरण उसका प्राण है।"

मौखिक व लिखित भाषा का ज्ञान

शब्द- विचार

■ व्याकरण ■ वैयाकरण ■ वर्तनी।

व्याकरण- यह संस्कृत-भाषा का शब्द है। इसका पुंल्लिंग ('पुल्लिंग', 'पुलिंग', 'पुंलिंग', 'पुंलिंग', 'पुंल्लिंग' शब्द-प्रयोग अशुद्ध हैं।) के रूप में व्यवहार होता है। अब आप इसकी व्युत्पत्ति समझें-- वि+आ+करण (ल्युट् प्रत्यय)। यह 'कृ' धातु का शब्द है, जिसका अर्थ 'करना' है। किसी भी क्रियाशीलता के लिए 'कृ' धातु का ही व्यवहार किया जाता है। इस धातु के पूर्व में 'वि' उपसर्ग लगा हुआ है। इसमें लगे 'आ' शब्द के संयोग से 'व्या' शब्द उभरता है। इस शब्द के अन्त में 'ल्युट्' प्रत्यय के जुड़ते ही 'अन'/'अण' की ध्वनि आती है, जिससे 'व्याकरण' शब्द की उत्पत्ति होती है। आपको जानना चाहिए कि व्याकरण के प्रमुख अंग हैं: धातु, प्रत्यय, उपसर्ग, सन्धि तथा समास। 'ल्युट्' प्रत्यय के चरित्र, स्वभाव तथा विशेषता को समझने के लिए आपको 'प्रत्यय' के अर्थ, आशय, अवधारणा तथा गुणावगुण को समझना होगा, जिसे हम इसी स्तम्भ के अन्तर्गत निकट भविष्य में विधिवत् बोध करायेंगे।

व्याकरण का अर्थ है, 'विशेष रूप से आख्यान करना'। परिभाषा-- जिस शास्त्र के अन्तर्गत सामान्य और साहित्यादिक में प्रयुक्त भाषा-स्वरूप, अंग-उपांगों, रचना-विधान, रूप-परिवर्त्तन) आदिक पर सम्यक् रूपेण विचार किया जाता है , उसे 'व्याकरण' कहते हैं। हिन्दी का व्याकरण 'संस्कृत' से प्रेरित है।

व्याकरण के विभाग (अंग)

1. वर्ण, 2. शब्द-विभाग, 3. वाक्य-विभाग।

व्याकरणशास्त्र इन्हीं तीनों विभागों पर विचार करता है। जिस प्रकार साबुन के द्वारा हमारे वस्त्र और शरीर की मलिनता/मलीनता दूरकर उन्हें स्वच्छ और शुद्ध किया जाता है, उसी प्रकार व्याकरण भाषा की अशुद्धि को दूरकर, उसे शुद्ध और स्वच्छ बनाता है।

प्रमुख विचारणीय बातें

- आपके लिखते अथवा बोलते समय व्याकरण की ही भूमिका होती है। कहाँ क्या, कैसे तथा कितना बोलें और लिखें, इसके लिए अदृश्य व्याकरण आपका मार्गदर्शन करता रहता है
- मुख्यतः भाषा दो प्रकार की होती है : (1) मौखिक (2) लिखित। मौखिक के अन्तर्गत 'कही हुई' बातें आती हैं और लिखित के अन्तर्गत 'लिखी हुईं'।
- "भाषा यदि शरीर है तो व्याकरण उसका प्राण है।"
- व्याकरण का बोध न होने के कारण आप भाषा-स्तर पर न तो अक्षर का उच्चारण कर सकते हैं और न ही वर्ण का।
- व्याकरण के मुख्यतः तीन विभाग हैं, जिनसे उसका संचालन किया जाता है

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

महाराजा रणजीत सिंह किस मिस्ल से सम्बंध रखते थे? (Uttar Pradesh Assistant Professor Exam-2021)

(a) सुकरचकिया
(b) फुलकियां
(c) आहलुवालियां
(d) डलेनालिया

जवाब : (a) सुकरचकिया

व्याख्या : महाराजा रणजीत सिंह का जन्म 1780 को गुजरांवाला में हुआ था, जो कि अब पाकिस्तान में है। वह 'महा सिंह' की इकलौती संतान थे, जिनकी मृत्यु के बाद वर्ष 1792 में रणजीत सिंह एक सिख समूह 'सुकरचकियों' के प्रमुख बने। उन्होंने 'मिस्लों' को समाप्त कर सिख साम्राज्य की स्थापना की थी। उस समय पंजाब पर शक्तिशाली सरदारों का शासन था, जिन्होंने इस क्षेत्र को 'मिस्लों' में विभाजित किया था। लाहौर (उनकी राजधानी) को अफगान आक्रमणकारियों से मुक्त करने में उनकी सफलता के लिये उन्हें 'पंजाब का शेर' (शेर-ए-पंजाब) की उपाधि दी गई थी।

निम्नलिखित में से किसे मिण्टो-मार्ले सुधार कहा जाता है? (Uttar Pradesh Assistant Professor Exam-2021)

(a) भारत शासन अधिनियम, 1858
(b) भारत परिषद अधिनियम, 1909
(c) भारत परिषद अधिनियम, 1861
(d) भारत शासन अधिनियम, 1919

जवाब : (b) भारत परिषद अधिनियम, 1909

व्याख्या : वर्ष 1909 में भारत परिषद अधिनियम अर्थात मार्ले-मिंटो सुधार लाया गया। इस अधिनियम द्वारा चुनाव प्रणाली के सिद्धांत को भारत में पहली बार मान्यता मिली। गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में पहली बार भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिला तथा केंद्रीय एवं विधान परिषदों के सदस्यों को सीमित अधिकार भी प्रदान किये गए। साथ ही, इस अधिनियम द्वारा मुसलमानों को प्रतिनिधित्व के मामले में विशेष रियायतें दी गई, यथा-मुसलमानों को केंद्रीय एवं प्रांतीय विधान परिषद में जनसंख्या के अनुपात में अधिक प्रतिनिधि भेजने का अधिकार दिया गया तथा मुस्लिम मतदाताओं के लिये आय की योग्यता को भी हिंदुओं की तुलना में कम रखा गया। इस अधिनियम के अंतर्गत जो चुनाव पद्धति अपनाई गई वह बहुत ही अस्पष्ट थी। कुछ लोग स्थानीय निकायों का चुनाव करते थे, ये सदस्य चुनाव मंडलों का चुनाव करते थे और ये चुनाव मंडल प्रांतीय परिषदों के सदस्यों का चुनाव करते थे। फिर, यही प्रांतीय परिषदों के सदस्य केंद्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव करते थे।

नासा का NEA स्काउट किस हेतु भेजा गया है? (Uttar Pradesh Assistant Professor Exam-2021)

(a) पृथ्वी के निकट क्षुद्र ग्रह की छानबीन के लिए
(b) चंद्रमा पर जीवन की सम्भावना की खोज हेतु
(c) शुक्र पर जीवन की खोज हेतु
(d) नासा का मंगल हेतु जीवन की खोज का अभियान

जवाब : (a) पृथ्वी के निकट क्षुद्र ग्रह की छानबीन के लिए

व्याख्या : नियर-अर्थ एस्टेरॉयड स्काउट या NEA स्काउट, एक छोटा अंतरिक्षयान है, जिसे क्यूबसैट (CubeSat) के रूप में जाना जाता है, इसे नासा के एडवांस्ड एक्सप्लोरेशन सिस्टम (AES) प्रोग्राम के तहत विकसित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य नियर-अर्थ एस्टेरॉयड से उड़ान भरना और डेटा एकत्र करना है। इसे क्षुद्रग्रह तक पहुंचने में लगभग दो वर्ष लगेंगे और क्षुद्रग्रह से संपर्क के दौरान यह पृथ्वी से लगभग 93 मिलियन मील दूर होगा। यह विशेष सौर सेल प्रणोदन का उपयोग करने वाला अमेरिका का पहला अंतरग्रहीय मिशन भी होगा. यह पहली बार होगा जब कोई अंतरिक्षयान जोर या थ्रस्ट (Thrust) उत्पन्न करने और आगे बढ़ने के लिये हवा के रूप में इसका इस्तेमाल करेगा।

द इंडियन स्ट्रगल पुस्तक के लेखक कौन हैं? (Uttar Pradesh Assistant Professor Exam-2021)

(a) महात्मा गांधी
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) सुभाषचंद्र बोस
(d) माउंटबेटन

जवाबः (c) सुभाषचंद्र बोस

व्याख्याः इंडियन स्ट्रगल पुस्तक के लेखक सुभाष चंद्र बोस है। चितरंजन दास को राजनीतिक गुरु मानने वाले सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर एक पुस्तक की रचना की जिसका नाम 'इंडियन स्ट्रगल' था। 1938 और 1939 के कांग्रेस के क्रमशः हरिपुरा और त्रिपुरी अधिवेशन के अध्यक्ष चुने गए थे। 1939 में उन्होंने 'फारवर्ड ब्लॉक' का गठन किया था। 1942 में इन्होंने 'भारतीय स्वतंत्रता लीग' और 'आजाद हिंद फौज' गठन की घोषणा की थी।

चिश्त कस्बा जिसके नाम से चिश्ती सूफी सिलसिले का नाम निकला है, कहां स्थित है? (CDS Exam-2021)

(a) पश्चिमी तुर्की
(b) मध्य अफगानिस्तान
(c) पूर्वी ईरान
(d) पूर्वी ईराक

जवाब : (b) मध्य अफगानिस्तान

व्याख्या : चिश्त कस्बा अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में स्थित एक कस्बा है। इस सिलसिले स्थापना 930 ई में अबू इशाक शमी ने की। चिश्ती सिलसिला की भारत में स्थापना ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने की। इस सिलसिले के अन्य प्रमुख संत कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, फरीदुद्दीन गंजशकर, निजामुद्दीन औलिया और अलाउद्दीन अली अहमद सबीर कलियारी थे।

सामूहिक नाम-जाप का आयोजन (संगत) किसने शुरू किया था? (CDS Exam-2021)

(a) गुरु नानक
(b) गुरु अंगद
(c) गुरु अर्जुन
(d) गुरु गोविंद सिंह

जवाब : (a) गुरु नानक

व्याख्या : अपने जीवनकाल के दौरान, गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म के दो बुनियादी संस्थानों - संगत और लंगर की स्थापना करके उन्होंने पंथ को एक शक्तिशाली नींव प्रदान की। इनका जन्म रावी नदी के किनारे स्थित तलवण्डी नामक गांव में कार्तिकी पूर्णिमा को एक खत्रीकुल में हुआ था। तलवण्डी पाकिस्तान में पंजाब प्रान्त का एक नगर है। इनकी जन्मतिथि 1469 मानी गई है। प्रचलित तिथि कार्तिक पूर्णिमा ही है।

चार भिन्न यात्री भारत के विभिन्न राज्यों की ओर जाते हैं, इनमें से किस को आप ब्लिजार्डस से बचने की सलाह देंगे? (CDS Exam-2021)

(a) अरुणाचल प्रदेश की ओर यात्रा करने वाले को
(b) असम की ओर यात्रा करने वाले को
(c) त्रिपुरा की ओर यात्रा करने वाले को
(d) ओडीशा की ओर यात्रा करने वाले को

जवाब : (a) अरुणाचल प्रदेश की ओर यात्रा करने वाले को

व्याख्या : वस्तुतः तो ब्लिजार्ड सर्दी की ऋतु में, ठंडे और पर्वतीय अवनमन के तुरंत बाद पैदा होने वाली बहुत ठंडी और तेज पवन, विशेषकर ध्रुवीय क्षेत्र में। इसमें हिम के कण भी रहते हैं। ऐसी पवन अंटार्कटिक प्रदेश में भूतल पर भी बहती हैं। यह बहुत तेज बहती है। हमारे देश के हिम-निकट क्षेत्र में भी, जैसे अरुणाचल में, सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों के बाद, दो-तीन दिनों तक ऐसी पवन उत्पन्न हो जाती है। पर यहां उसका कोई विशेष (स्थानीय) प्रभाव नहीं होता।

इनमें से कौन सा राज्य रोपण कृषि में प्रमुखता नहीं रखता है? (CDS Exam-2021)

(a) राजस्थान
(b) असम
(c) नगालैंड
(d) केरल

जवाब : (a) राजस्थान

व्याख्या : रोपण कृषि मुख्यतः विश्व के उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों में की जाती है। मलेशिया में रबड़, ब्राजील में कहवा, भारत और श्रीलंका में चाय इसके कुछ उदाहरण हैं। केरल का क्षेत्र रबड़ और चाय, तो असम में चाय उत्पादन और नगालैंड में कॉफी, चाय और इलायची उगाई जाती है.

अटल टनल किन दो शहरों के बीच की दूरी को कम करती है? (CDS Exam-2021)

(a) बगडोगरा और गंगटोक
(b) जम्मू और श्रीनगर
(c) मनाली और लेह
(d) इटानगर और तवांग

जवाब: (c) मनाली और लेह

व्याख्या : मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ने वाली अटल सुंरग दुनिया की सबसे लंबी हाइवे टनल है। यह 9.02 किलोमीटर लंबी है और इस खासतौर पर पीर पंजाल रेंज की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

'क्यूरिस जूनियर' द्वारा आयोजित सबसे बड़ी कोडिंग प्रतियोगिता

क्यूरिस जूनियर गुड़गांव स्थित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो बच्चों के लिए मोबाइल फोन में सबसे बड़ी कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। यह इवेंट बच्चों को उनके कोडिंग करियर में एक कदम आगे ले जाने और बदले में इस क्षेत्र का विस्तृत ज्ञान और अनुभव प्रदान करने में उनकी मदद करेगा।

बच्चों के लिए ऑनलाइन कोडिंग प्लेटफॉर्म, क्यूरिस जूनियर ने प्रतिभाशाली बच्चों को अपने मोबाइल पर कोडिंग सीखने की ताकत से लैस किया है। अब लैपटॉप का पास न होना किंडरगार्डन से 12वीं कक्षा के छात्रों के कोडिंग सीखने के रास्ते में रुकावट नहीं बनेगा। सितंबर 2020 में लॉन्च किए गए क्यूरिस जूनियर ने अब तक 2,000,00 से ज्यादा छात्रों को मोबाइल पर ऐप्स और गेम बनाना सिखाया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर देश के उभरते हुए भावी नेताओं को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाएगा। यह प्रतियोगिता दो ग्रुप में आयोजित की जाएगी। ग्रुप ए में चौथी से आठवीं कक्षा तक के बच्चे और ग्रुप बी में होने वाली प्रतियोगिता में नौवीं से लेकर बारहवीं कक्षा के बच्चे शामिल होंगे।

क्यूरिस जूनियर के सहसंस्थापकों में आईआईटी बीएचयू से ग्रेजुएट और आपस में दोस्त, अमित शेखर, जानिशार अली और मदुल रंजन साहू शामिल हैं। यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मोबाइल पर सबसे पहले डिवेलप किया गया। इस प्लेटफॉर्म का फोकस 8 से 17 साल के बच्चों पर है। यह प्लेटफॉर्म स्थानीय भाषा को सपोर्ट करता है। यह प्लेटफॉर्म छोटे-छोटे कंटेंट की मदद से छात्रों की कोडिंग सीखने में मदद करता है। वह प्रैक्टिस क्षेत्र में जाकर अपने ज्ञान को परख सकते हैं। छात्र क्यूरिस जूनियर ऐप स्टोर पर जाकर खुद की बनाई गई ऐप्स और गेम्स को पब्लिश कर सकेंगे। इसके बाद वह इन्हें अपने दोस्तों, परिवार और एक बड़े समुदाय के साथ शेयर कर सकेंगे।

50 हजार से ज्यादा बच्चे कोडिंग चैंपियनशिप में पहले ही भाग ले चुके हैं और उन्होंने अपनी कोडिंग स्किल्स का प्रयोग कर ऐप्स बनाई है। प्रतियोगिता के विजेताओं को कुल 1 लाख रुपये की इनामी राशि में से स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। छात्रों को इस कोडिंग प्रतियोगता में भाग लेने के लिए क्यूरिस जूनियर की मोबाइल ऐप पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

मृदुल रंजन साहू ने कहा, "ऑल इंडिया कोडिंग चैंपियनशिप में छात्र अपनी कोडिंग स्किल्स की जांच कर सकेंगे। वह अपने जैसे पूरे भारत के छात्रों से प्रतियोगिता कर सकेंगे।"

अमित शेखर ने कहा, "60 फीसदी से ज्यादा नई नौकरियों में इस तरह की कोडिंग स्किल्स की जरूरत होती है। बच्चों को इस तरह बड़े पैमाने पर कोडिंग की तकनीक नही सिखाई जा सकती।"

मानव संसाधन प्रबंधन में ऐसे बनाएं कॅरिअर

एचआर के तौर पर आप किसी कंपनी में कर्मचारियों की नियुक्ति से लेकर तमाम तरह के कार्यों का प्रबंधन करते हैं। साथ ही कंपनी की प्रतिष्ठा को भी बरकरार रखते हैं...

ह्यूमन रिर्सोस एक प्राफेशनल कॅरिअर है। ह्यूमन रिर्सोस (मानव संसाधन) को शार्ट फॉर्म में एचआर कहा जाता है। यह किसी कंपनी या संस्था के लिए प्रबंधक के रूप में कार्य करते है। ह्यूमन रिर्सोस प्रबंधन के कार्यो का डिजाइन एवं खाका तैयार संस्था में काम करने वाले लोगों के बीच सामंजस्य बनाता है। किसी कंपनी का एचआर, कंपनी व कर्मचारी के बीच ब्रिज का काम करता एवं कंपनी को वहां काम कर रहे कर्मचारियों के लिए सहज बनाता है। एक ह्यूमन रिर्सोस कंपनी में आने वाले नये कर्मचारी की भर्ती होने की पूरी प्रक्रिया को देखता है और उस कंपनी के सभी दिशा निर्देशों से नये कर्मचारी को अवगत कराता है।

कैसे बनाएं कॅरिअर

इसके लिए ह्यूमन रिर्सोस या बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर डिग्री प्राप्त करना आवश्यक होता है। जिन युवाओं ने बैचलर डिग्री किसी अन्य स्ट्रीम से की हो, तो वे ह्यूमन रिर्सोस के क्षेत्र से मास्टर्स डिग्री प्राप्त कर इस क्षेत्र में अपना कॅरिअर बना सकते है।

शैक्षणिक योग्यता

आज के दौर में सफल कॅरिअर बनाने के लिए कम्यूनिकेशन स्किल होना तो आवश्यक है ही, इसके अलावा मूलभूत योग्यता के लिए किसी भी विषय से स्नातक करने के पश्चात मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में स्नातकोत्तर यानी एमबीए करना आवश्यक होता है। एचआर में एमबीए उन लोगों के लिए है, जो एचआर और स्ट्रेटजी में कॅरिअर बनाना चाहते हैं।

निर्णय लेने में दक्षता

एक ह्यूमन रिर्सोस को काम कर रहे कंपनी या संस्था के ताकत व कमजोरी के बीच एक संतुलित एवं निर्णायक कार्यवाही की योजना करने में दक्ष होना चाहिए। क्योंकि एचआर का निर्णय कंपनी के कर्मचारी व संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

संगठनात्मक कौशल

ह्यूमन रिर्सोस एक ही समय में बहुत से प्रोजेक्ट को प्राथमिकता के आधार पर प्रबंधित करता है। इसलिए एक एचआर में संगाठनात्मक कौशल होना अनिवार्य होता है।

प्रमुख संस्थान

- आईआईएम (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट), अहमदाबाद
- आईएसबी (इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस), हैदराबाद
- एक्सएलआरआई (जेवियर लेवर रिसर्च इंस्टिट्यूट), जमशेदपुर
- एफएमएस (फेकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडी), दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जेबीआईएमएस (जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी), मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे
- नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज

प्रचुर रोजगार अवसरों की तलाश में यूके की ओर आकर्षित होते हैं भारतीय छात्र

सिर्फ नौकरी के अवसर ही भारतीय छात्रों को यूके की ओर आकर्षित नहीं कर रहे हैं। यूके में अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय मौजूद हैं, जो सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने में अपना योगदान दे रहे हैं...

यूके सरकार ने फरलो स्कीम लागू की थी, जो महामारी के दौरान हजारों लोगों के लिए संकटमोचक बनकर उभरी हैं। जो काम नहीं कर सकते, या जो नियोक्ता उन्हें भुगतान नहीं कर सकते थे, ऐसे लोगों को हर महीने 2,500 पाउंड तक दिए हैं। शुरुआत में यूके सरकार ने वेतन-भत्तों के 80% का भुगतान किया, लेकिन अगस्त और सितंबर में उसने 60% ही भुगतान किया। शेष 20% भुगतान नियोक्ता को करना था। अब अर्थव्यवस्था दोबारा खुल रही हैं और फरलो स्कीम धीरे-धीरे बंद हो रही है, देश का जॉब मार्केट भी पूरी मजबूती के साथ वापसी कर रहा है। हकीकत तो यह है कि रोजगार से जुड़ी वैकेंसी जुलाई से तीन महीने तक 953,000 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

मनोरंजन, आवास और फूड जैसे क्षेत्रों में कई वैकेंसी हैं और इसे दूर करने के लिए यूके में स्किल्ड वर्कफोर्स की कमी महसूस की हो रही है। सही टैलेंट की डिमांड बढ़ गई है। केपीएमजी और रिक्रूटमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट कन्फेडरेशन (आरईसी) की नई जॉब रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही के अंत में आईटी और कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में कर्मचारियों की उच्च मांग है, पर होटल और खानपान क्षेत्र में शॉर्ट-टर्म स्टाफ की मांग में सबसे अधिक वृद्धि देखी जा रही है। रिपोर्ट में यह बात भी बताई गई है कि स्किल्ड स्टाफ की कमी के कारण वेतन में उल्लेखनीय उछाल आया।

सक्रिय इंटरनेशनल स्टूडेंट्स देश में इस समय अपने कोर्स पूरे कर रहे हैं या स्नातक या मास्टर डिग्री पूरी कर चुके हैं, इस स्किल्ड वर्कफोर्स की कमी को दूर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे नए पेश किए गए ग्रेजुएट रूट वीज़ा के जरिए स्नातक स्तर पर यूके में दो साल के कार्य अनुभव का लाभ उठा सकते हैं। वीजा इंटरनेशनल ग्रेजुएट्स को अपने यूनिवर्सिटी के कोर्स के अंत में नौकरी का अनुभव देने के लिए रहने के अधिकार के लिए आवेदन करने की अनुमति देता है। इसके जरिए भारतीय छात्र यूके में हो रही इन वैकेंसी का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं क्योंकि वे कार्य अनुभव की संभावना के आधार पर अपने डिग्री कोर्स चुनने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा यह उन्हें किसी भी क्षेत्र या भूमिका में नौकरियों के लिए आवेदन करने की सुविधा भी प्रदान करेगा जो उनके स्किल्ड प्रोफ़ाइल के अनुकूल हो, जिसमें बिना किसी एम्प्लॉयर स्पॉन्सरशिप के स्व-रोजगार भी शामिल है।

सिर्फ नौकरी के अवसर ही भारतीय छात्रों को यूके की ओर आकर्षित नहीं कर रहे हैं। यह देश अपने प्रतिष्ठित और अत्यधिक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, किंग्स कॉलेज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ शेफ़ील्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ हडर्सफील्ड और इसके जैसी तमाम यूनिवर्सिटियों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों की सूची में सबसे ऊपर है। इन लोकप्रिय यूनिवर्सिटियों से ग्रेजुएट निश्चित रूप से आपके रेज़्यूमे को मजबूत बना सकते हैं और प्रसिद्ध फर्मों और संगठनों के साथ सार्थक करियर बना सकते हैं।

यहां मिलने वाली वित्तीय सहायता भी भारतीय छात्रों को यूके में हायर एजुकेशन चुनने के कई महत्वपूर्ण कारणों में से एक है। यूके उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कई छात्रवृत्तियां प्रदान करता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से होते हैं। इरास्मस मुंडस स्कॉलरशिप, डॉ मनमोहन सिंह स्कॉलरशिप और ब्रिटिश शेवनिंग स्कॉलरशिप कुछ ऐसी उल्लेखनीय स्कॉलरशिप हैं, जिनके लिए भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं और देश में अपनी हायर एजुकेशन का खर्च उठा सकते हैं।

भारतीय छात्रों के लिए यूके में पढ़ाई करने के लिए स्वास्थ्य लाभ एक और उल्लेखनीय कारण है। जब वे किसी यूनिवर्सिटी में फुलटाइम कोर्स या प्रोग्राम के लिए नामांकन कर लेते हैं, तो वे एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) से मुफ्त चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के योग्य हो जाते हैं। वास्तव में उनके जीवनसाथी या साथी और आश्रित बच्चे भी इस स्वास्थ्य लाभ को प्राप्त करने के पात्र हैं।

कोविड-19 के अभूतपूर्व प्रकोप और लंबे समय तक लॉकडाउन की वजह से यात्रा प्रतिबंध लगे और सीमा बंद कर दी गई, इसने कुछ समय के लिए जरूर भारतीय छात्रों की भावना को कमजोर किया है। फिर भी, इसने उन्हें यूके में पढ़ाई करने की आकांक्षा पर अपने फोकस से भटकने नहीं दिया। आखिरकार, यह अभी भी अवसरों का देश माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार जीता

टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 7 गेंद शेष रहते निर्धारित लक्ष्य किया हासिल....

मिशेल मार्श (नाबाद 77) की डेविड वॉर्नर (53) के साथ 92 रन और मैक्सवेल (28) के साथ तीसरे विकेट पर अटूट 66 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड को सात गेंद शेष रहते 8 विकेट से हराकर पहली टी20 की विश्व चैंपियन बन गई। पांच बार की वनडे विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम 14 वर्षों के टी20 विश्व कप के इतिहास में प्रारूप में पहली बार चैंपियन बनी है। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 2010 में भी फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी पर उतारा था। कप्तान केन विलियम्सन (85) की बेहतरीन पारी की मदद से कीवी टीम ने 4 विकेट पर 172 रन का मजबूत स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवरों में दो विकेट पर 173 रन बनाकर यादगार जीत हासिल कर ली।

विलियम्सन की पारी पर पानी फिरा : इस टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के विलियम्सन ने फाइनल में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में 85 रन किसी कप्तान का श्रेष्ठ प्रदर्शन है। पहले दस ओवरों में टीम का स्कोर एक विकेट पर 57 रन था और अंतिम दस ओवरों में 115 रन बने जिसमें 58 रन अंतिम पांच ओवरों में आए।

केन ने की गेल के रिकॉर्ड की बराबरी : केन ने टी20 विश्व कप में एक गेंदबाज के खिलाफ सर्वाधिक चौके मारने के क्रिस गेल और अहमद शहजाद के रिकॉर्ड की बराबरी की। विलियम्सन ने मिशेल स्टार्क पर सात चौके और एक छक्का यानी आठ बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। क्रिस गेल ने 2009 में ब्रेट ली के खिलाफ पांच चौके और तीन छक्के लगाए थे। अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा के खिलाफ छह चौके और दो छक्के लगाए थे।

सर्वाधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	रन	औसत	स्ट्राइकरेट
बाबर आजम	पाकिस्तान	303	60.60	126.25
डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	289	48.16	146.70
मोहम्मद रिजवान	पाकिस्तान	281	70.25	127.72
जोस बटलर	इंग्लैंड	269	89.66	151.12
चरिथ असालंका	पाकिस्तान	231	46.20	147.13

सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांच खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	विकेट	इकोनॉमी	सर्वश्रेष्ठ
वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	16	5.20	3/9
एडम जांपा	ऑस्ट्रेलिया	13	5.81	5/19
ट्रेंट बोल्ट	न्यूजीलैंड	13	6.25	3/17
एस.हसन	बांग्लादेश	11	5.59	4/9
हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	11	7.29	4/39

रिकॉर्ड

- एक खिलाड़ी पाकिस्तान के बाबर आजम ही तीन सौ का आंकड़ा पार कर सके। उन्होंने छह मैचों में 60.60 की औसत से 303 रन बनाए
- 04 सर्वाधिक अर्द्धशतक आजम ने जड़े। भारत के लोकेश सहित चार खिलाड़ियों ने तीन-तीन पचासे जड़े
- 01 शतक लगा टूर्नामेंट जो इंग्लैंड के जोस बटलर के बल्ले से निकला
- 03 हैट्रिक लगी जो विश्व कप में रिकॉर्ड है। एक हैट्रिक क्वालिफायर में तो दो सुपर12 में लगी
- 210/2 रन भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ बनाए जो टूर्नामेंट का उच्चतम स्कोर रहा। अन्य कोई भी टीम 200 का आंकड़ा पार नहीं कर सकी
- 13 सर्वाधिक छक्के इंग्लैंड के जोस बटलर ने जड़े
- 32 सबसे ज्यादा चौके डेविड वॉर्नर ने लगाए
- 08 सर्वाधिक कैच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और स्कॉटलैंड के कैलुम में लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ी

WEEKLY DAIRY

10 नवंबर

भारत ने यूरोपीय देश ब्रिटेन (यू.के.) के ग्लासगो में जारी कॉप- 26 शिखर सम्मेलन में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर एक वेब पोर्टल 'ई-अमृत' लॉन्च किया। 'ई-अमृत' दरअसल इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधित समस्त सूचनाओं के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन अथवा पोर्टल है।

11 नवंबर

आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म, ईजीसीए राष्ट्र को समर्पित किया। यह परियोजना सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को मजबूती देगी।

12 नवंबर

केंद्रीय संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने आजादी का अमृत महोत्सव मोबाइल ऐप लॉन्च किया, जिससे भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के समारोहों से संबंधित सभी सूचनाएं एक ही जगह उपलब्ध हो सकें। इस ऐप में एकेएएम के तहत होने वाली सभी गतिविधियों और घटनाओं का विवरण उपलब्ध है।

खेल

■ कोलकाता के बीस वर्षीय मित्राभ गुहा ने 10 नवंबर, 2021 को सर्बिया के नोवी साद में चल रहे ग्रैंडमास्टर थर्ड सेटर्डे मिक्स 220 टूर्नामेंट में अंतिम नॉर्म हासिल करके 72वें ग्रैंडमास्टर के रूप में खिताब हासिल किया।

■ टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे विवेक सागर प्रसाद को 24 नवंबर से शुरू होने वाले एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप में भारतीय हॉकी टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, 2018 युवा ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम के डिफेंडर रहे संजय को उप-कप्तान बनाया गया है।

■ 11 नवंबर को टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सेलर नेत्रा कुमानन ने स्पेन में यूरोपीय क्षेत्रीय ओपन नौकायान प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है।

■ 13 नवंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 12 खिलाड़ियों को खेल रत्न, 35 को अर्जुन, 10 को द्रोणाचार्य और पांच को ध्यानचंद अवॉर्ड से सम्मानित किया।

नियुक्ति

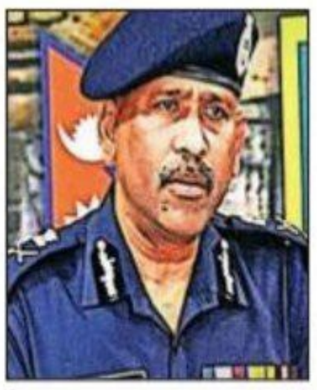

■ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सत्य नारायण प्रधान को प्रतिनियुक्ति आधार पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर 31 अगस्त, 2024 को सेवानिवृत्त होंगे।

■ केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को उनका स्थाई महानिदेशक मिल गया। 15 नवंबर को आईपीएस शील वर्धन सिंह ने सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीआईएसएफ मुख्यालय में 29 वें महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। महानिदेशक, सीआईएसएफ के रूप में अपनी नियुक्ति से पूर्व वे इंटेलिजेंस ब्यूरो में विशेष निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

निधन

■ हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका मन्नू भंडारी का 15 नवंबर को निधन हो गया। वह 90 वर्ष की थीं। उनका जन्म मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के भानपुरा गांव में 3 अप्रैल, 1939 को हुआ था। 'महाभोज' और 'आपका बंटी' जैसी कालजयी रचनाओं ने उनकी पहचान बनाई थी।

■ भारत के जाने-माने इतिहासकार और लेखक बाबासाहेब पुरंदरे का 15 नवंबर को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर मेमोरियल अस्पताल में निधन हो गया। वे 99 वर्ष के थे। बाबासाहेब पुरंदरे देश के लोकप्रिय इतिहासकार- लेखक रहने के साथ थिएटर कलाकार भी रह चुके थे।

■ मशहूर कला निर्देशक परेश दरू का 11 नवंबर को निधन हो गया। उन्होंने अपने साथी (संजय छेल के पिता) छेल वायदा के साथ 200 से अधिक गुजराती नाटकों और कई गुजराती फिल्मों का कला निर्देशन किया था।

- सौरभ सिंह

रक्षा और विज्ञान

■ भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास का छठा संस्करण 15 नवंबर से शुरू हुआ। बता दें, भारत और फ्रांस के बीच हर साल तीन द्विवार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान गरुड़ अभ्यास, वरुण अभ्यास और शक्ति अभ्यास किया जाता है। द्विवार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास "युद्धाभ्यास शक्ति 2021" का छठा संस्करण 15 से 26 नवंबर 2021 तक जारी रहेगा। इसका आयोजन फ्रेज़स, ोंस में हो रहा है। गोरखा राइफल्स इन्फैंट्री बटालियन की एक प्लाटून इस द्विपक्षीय अभ्यास में भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व कर रही है। इस दौरान छठी लाइट आर्मर्ड ब्रिगेड की 21वीं मरीन इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा फ्रांसीसी पक्ष का प्रतिनिधित्व किया जा रहा है।

■ केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने नागरिकों के लिए टेली-लॉ मोबाइल ऐप लॉन्च किया। उन्होंने टेली-लॉ अग्रिम पंक्ति के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया। नागरिकों के टेली-लॉ मोबाइल ऐप का उद्देश्य अपनी पहुंच और दायरे को बढ़ाने के माध्यम से संवर्धित कानूनी सूचना तक पहुंच को विस्तारित करना है और यह आम लोगों को उनकी समस्या की पहचान करने में सक्षम बनाता है।

WEEKLYDAIRY

13 नवंबर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ और बस्ती में कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की। अमित शाह ने आज़मगढ़ में 108 करोड़ रूपए की लागत से 49.42 एकड़ पर बनने वाले आजमगढ़ विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।

14 नवंबर

भारत के प्रोफेसर बिमल एन पटेल को पांच साल के लिए अंतरराष्ट्रीय विधि आयोग के लिए चुना गया है। उनका कार्यकाल 1 जनवरी 2023 से शुरू होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय विधि आयोग में भारत का योगदान नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा।

15 नवंबर

विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन और रवांडा के विदेश मंत्री विन्सेंट बिरुटा ने किगाली में संयुक्त आयोग की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि, आईसीटी, शिक्षा, नागरिक उड्डयन, संस्कृति, रक्षा, सुरक्षा और ढांचागत विकास सहित क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0585

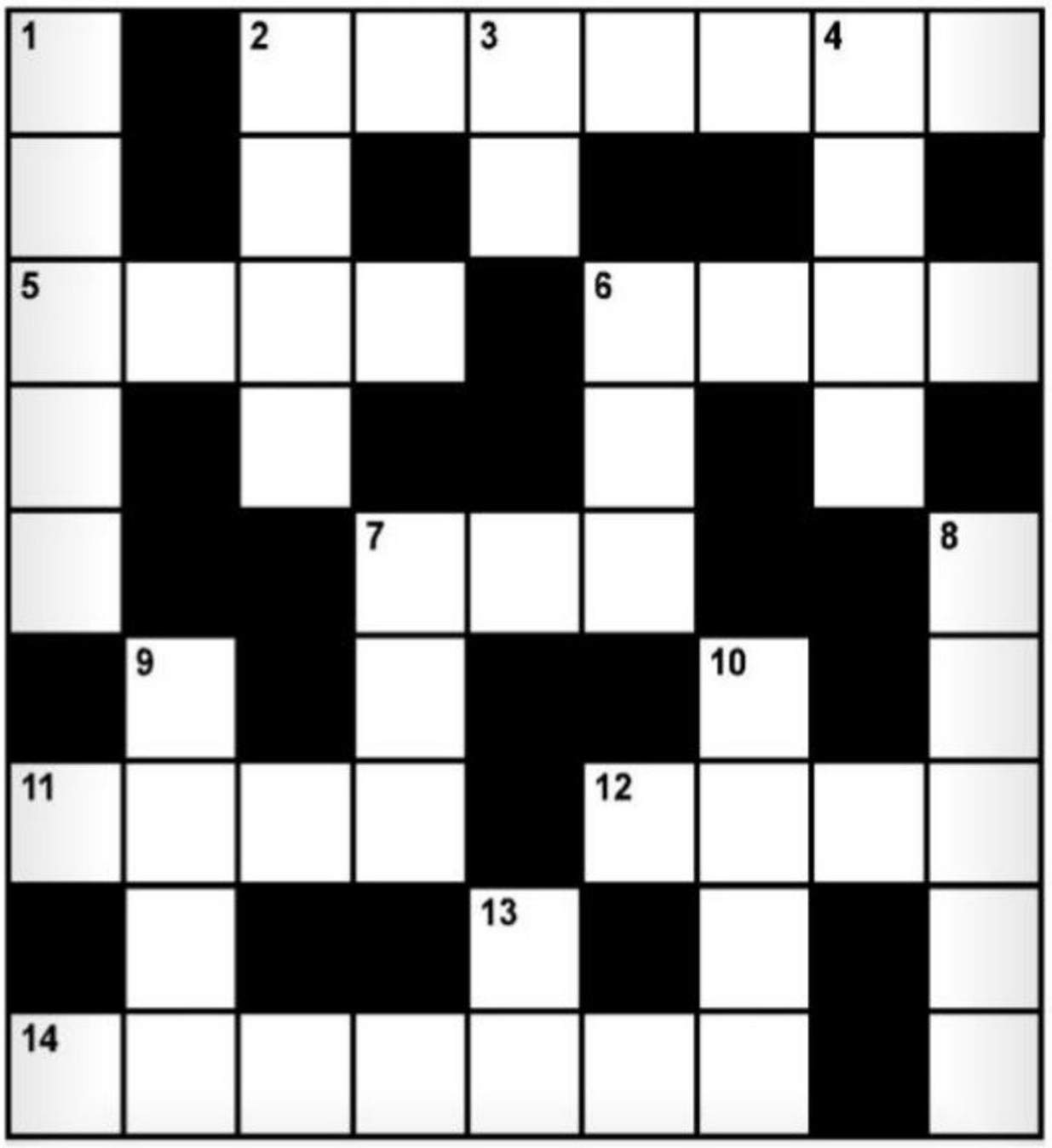

बाएं से दाएं: 7/33

2. 26 फरवरी 1994 को खुदन (झज्जर, हरियाणा) में जन्मा पहलवान; 2020 टोक्यो ओलंपिक कुश्ती के 65 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक पाने वाला पहलवान (4,3)
5. बिहार राज्य के नेपाल की सीमा से लगे पूर्वी चंपारण जिले का मुख्यालय (4)
6. 2003 में आई प्रकाश झा लिखित, निर्देशित व निर्मित अजय देवगन, ग्रेसी सिंह, मुकेश तिवारी की फिल्म; अमृत; गंगा नदी का पवित्र पानी; ब्रह्मद्रव (4)
7. अश्मंतक का वृक्ष (3)
11. घाटी के उत्तर-पूर्व में स्थित जम्मू एवं काश्मीर राज्य का एक जिला (4)
12. गंगा नदी की सहायक नदी (2,2)
14. 04 अक्तूबर 1857 को मांडवी (जिला कच्छ, गुजरात) में जन्मे स्वतंत्रता सेनानी जिन का 30 मार्च 1930 को जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में निधन हो गया; इनके संस्कृत के भाषण से प्रभावित होकर मोनियर विलियम्स ने इन्हें 25 अप्रैल 1879 को आक्सफोर्ड में संस्कृत का सहायक प्रोफेसर बना दिया (3,2,2)

ऊपर से नीचे: 10/36

1. एक पूर्व प्रधानमंत्री के नाम का मुख्य भाग; हिंदी फिल्मों का एक चरित्र अभिनेता; कृष्ण; मन को मोहने वाला (5)
2. जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 11 कि.मी. लंबी सुरंग के छोर पर स्थित रेलवे का एक स्टेशन (4)
3. नृत्यगान; नृत्यस्थल; रंगने की वस्तु; वर्ण; असर; रांगा (2)
4. महादेव; शिव; जिसने अंजन न लगाया हो; दोषरहित; माया, मोह आदि से निर्लिप्त (4)
6. नेपाल में बहने वाली नदी जिसे भारतीय सीमा से पहले नारायणी नदी के नाम से जाना जता है; गंगा की एक सहायक नदी; गले में पहनने का गंडा (3)
7. मणिपुर की राजधानी (3)
8. किसी दूसरे के लिए गाने वाला; नेपथ्य में गाने वाला (2,3)
9. झारखंड के पूर्व में स्थित पश्चिम बंगाल का जिला और जिला मुख्यालय व एक प्रमुख शहर (4)
10. संस्कृत विद्वान एवं नीति पुस्तक पंचतंत्र के लेखक (4)
13. कान्हा; देवकीपुत्र; द्वारिकाधीश; काला (2)

हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0584

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

PERFECT YOUR ENGLISH

Choose the word most nearly opposite to the words given in the capital letters

1. ACQUIT
(A) to convict
(B) to enlighten
(C) to stop

2. VANISH
(A) to rebuke
(B) to appear
(C) to ease

3. BEASTLY
(A) inexplicable
(B) pleasant, kind
(C) conspicuous

4. DIMINUTIVE
(A) enormous
(B) meticulous
(C) introspective

5. HAMSTRING
(A) to help
(B) to subjugate
(C) to suggest

6.TRANSITORY
(A) curvy
(B) permanent
(C) steadfast

7. MORIBUND
(A) thriving (B) affectionate
(C) recurring

Answers:
1.A 2.B 3.B 4.A 5.A 6.B 7.A

श्रीप्रकाश शर्मा, प्राचार्य,
जवाहर नवोदय विद्यालय, बिहार

क्या आप जानते हैं?

पिछले अंक में हमने भूत संख्या की बात की थी। भूत संख्या प्रकृति और सम-सामयिक वस्तुओं के बीच में संबंध स्थापित करता है। प्राचीन समय में संस्कृत श्लोकों के जरिये लोगों को सरल भाषा में बात समझ आ जाये, इसलिए भूत संख्या का इस्तेमाल किया जाता रहा। इन संख्याओं का इस्तेमाल बाद में कई कवियों ने भी अपने दोहों में किया। मकसद अपनी बातों को लयात्मक शैली में जन-जन तक पहुंचाना था। भूत संख्या में लिखने की परंपरा कैसी थी, इसपर चर्चा हम करेंगे। पर, इससे पहले जरूरी है कि हम एक पद से इस बात की शुरुआत करें -

मंदिर अरध अवधि बदि हमसौं , हरि अहार चलि जात।
ससि-रिपु बरष , सूर-रिपु जुग बर , हर-रिपु कीन्हौ घात।
मघ पंचक लै गयौ सांवरौ , तातैं अति अकुलात।
नखत , वेद , ग्रह , जोरि , अर्ध करि , सोई बनत अब खात।
सूरदास बस भई बिरह के , कर मींजैं पछितात ॥

(सुर-सागर दशम स्कंध)

सबसे पहले इस साधारण से दिखने वाले पद की गणितीय व्याख्या करते हैं। मंदिर को घर कहा जाता है और घर के आधे को ब्रज में पखवाड़ा कहते हैं। हिंदी में पखवाड़ा 15 दिन के लिए प्रयोग किया जाता है। हरि विष्णु को कहते हैं और साथ ही शेर के लिए भी हरि शब्द का प्रयोग किया जाता है। अर्थात हरि अहार का अर्थ हुआ- शेर का भोजन जिसका मतलब मांस से हुआ। गणितीय अर्थ भूत संख्या के हिसाब से मास अर्थात 30 दिन से हुआ। भ्रमर गीत के इस पद में गोपियां कहती हैं की कृष्ण उन्हें 15 दिनों में वापस आने का वादा करके गये थे पर अब 30 दिन के बाद भी उनका कोई अता-पता नहीं है। दूसरी पंक्ति में देखिये- ससि अर्थात चंद्रमा से है और चंद्रमा का शत्रु दिन है क्योंकि दिन के आते ही चांद अपनी महत्ता खो देता है। इसी तरह सुर रिपू का अर्थ सूर्य का शत्रु रात से है। गोपियां कहती हैं कि चंद्रमा का शत्रु दिन बरस रहे हैं और सूर्य का शत्रु रात युगों के समान लग रही है और इस वियोग में कामदेव (हरि रिपू) ने हमला कर दिया है। अब अंतिम पंक्ति में गोपियां कह रही हैं - मध पचंग = मघा नक्षत्र का पांचवा नक्षत्र = चित्रा = चित से हैं। गोपियां कह रहीं हैं चित सांवरा अपने साथ ले गया। इससे बहुत बेचैनी और अकुलाहट है। अब नीचे की पंक्ति में शब्दों पर ध्यान दीजिये - नखत = नक्षत्र = 27 , वेद = 4 तथा ग्रह = 9 जोरी का अर्थ जोड़ना से है। इन्हें जोड़ने पर 27 + 4 + 9 = 40 आता है। इसका आधा करने का अर्थ है 40/2 = 20 = बीस। गोपियां उधो से कह रहीं हैं कि कृष्ण वियोग में वे वन जाकर बीस -विष खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करना चाहती हैं। गणितीय व्याख्या को समझने के लिए सबसे पहले कुछ अंक और उसके संख्यांक के बारे में बात करें-

अंक	शब्द
0	ख, गगन, अम्बर, नभ, व्योम, शून्य
1	आदि, शशि, इंदु, चन्द्र, सोम, शशांक, भू, भूमि, गो, बसुधा, तनु
2	यम, लोचन, नेत्र, अक्षि, नयन, कर, कर्ण, ओष्ट , जंघा, कुटुंब
3	राम, गुण, लोक, काल, त्रिनेत्र, अग्नि, पावक, हुताशन, दहन
4	वेद, श्रुति, समुद्र, सागर, वर्ण, आश्रम, युग,
5	वाण, शर, पर्व, पांडव, इन्द्रिय,
6	रस, ऋतू, दर्शन, राग, अंग, काम
7	नग, पर्वत, शैल, गिरी, ऋषि, मुनि, स्वर, वार, घातु, तुरग, छंद
8	वसु, अहि, नाग, गज, कुंजर, सर्प, दिग्गज, हस्तिन, मातंग
9	अंक, नन्द, निधि, ग्रह, रंध्र, छिद्र, द्वार,
10	दिश, दिशा, अंगुली, पंक्ति, कंकुम, अवतार , रावणशिरम
11	रूद्र. ईश, ईश्वर, महादेव

भूत संख्या में 15 के लिए तिथि, 24 के लिए गायत्री, 27 के लिए नक्षत्र, 32 के लिए दन्त जैसे शब्दों का प्रयोग भी होता रहा है। मकसद, सिर्फ इतना ही है कि लोग आम बोलचाल की भाषा में गणितीय व्याख्या को समझ सके। आज हमें गणित को लोकप्रिय बनाने के लिए ऐसी शब्दावली की बेहद जरूरत है।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

इनोवेशन स्काउटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - मरिको
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन -https://bit.ly/AU-0472
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

जेनरल मैनेजमेंट इंटर्नशिप
कंपनी - सीएट (CEAT)
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 20,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0473
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

सोशल मीडिया मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी - टाइम्स इंटरनेट
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 6,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0474
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

हूमन रिसोर्सेस (HR) इंटर्नशिप
कंपनी - पॉकेट FM
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0475
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इंटर्नशिप
कंपनी - IIT बॉम्बे
कहां - वर्क फ्रॉम होम
वेतन - 1,000-4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0476
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

बिज़नेस डेवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी - कोल्गेट पालमोलिव (इंडिया)
कहां - लखनऊ, फ़रीदाबाद, दिल्ली, ग़ज़िआबाद, नॉएडा, गुर्गाओं, जैपुर
वेतन - 6,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0477
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

हूमन रिसोर्सेस (HR) इंटर्नशिप
कंपनी - केदकोस टेक्नोलॉजीज़
कहां - लखनऊवेतन - 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन - https://bit.ly/AU-0482
आवेदन की अंतिम तिथि-20 दिसंबर 2021

SCHOLARSHIP ALERT

कीप इंडिया स्माइलिंग फॉउण्डेशनल स्कालरशिप प्रोग्राम 2021-22

विवरण :
कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड युवा छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करके उनके शैक्षणिक / प्रगति की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहा है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम विभिन्न पोस्ट-मैट्रिक और स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने एवं उनकी पसंद के करियर की ओर आगे बढ़ने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मानदंड :
ऐसे छात्र जिन्होंने 2021 की बोर्ड परीक्षा में कम से कम 75% अंकों के साथ 10 वीं कक्षा या कम से कम 60% अंकों के साथ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर लिया है। और उच्चतर माध्यमिक, 3-वर्षीय स्नातक, 4-वर्षीय इंजीनियरिंग कोर्स और डिप्लोमा प्रोग्राम की पढाई को आगे बढ़ाने के लिए छात्रवृत्ति प्रोग्राम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। सभी आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : चयनित विद्वान अपनी शिक्षा के वर्तमान स्तर के आधार पर 4 साल तक की पढ़ाई के लिए प्रति वर्ष 30,000 रुपये तक के छात्रवृत्ति पुरस्कार का लाभ उठा सकते हैं।

अंतिम तिथि : 30 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/KISF1

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021-22

विवरण :
निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फोटोग्राफी कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों (कक्षा 12 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों) से छात्रवृत्ति आवेदन आमंत्रित करती है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम उन विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए है, जिन्हें फोटोग्राफी की पढ़ाई जारी रखने के लिए वित्तीय समस्याएं पेश आ रही हैं।

मानदंड : 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जो 3 महीने या उससे अधिक की अवधि वाले फोटोग्राफी पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं। विद्यार्थी के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : चुने हुए विद्यार्थियों को 1 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

अंतिम तिथि : 30 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/NSP5

कोविड क्राइसिस(ज्योति प्रकाश) सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021

विवरण : कोविड क्राइसिस(ज्योति प्रकाश) सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य उन बच्चों की पढ़ाई में मदद करना है जो कोरोना के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हों और उनकी आगे की पढ़ाई के लिए बहुत कम या कोई आर्थिक मदद नहीं है।

मानदंड : यह स्कॉलरशिप कक्षा एक से स्नातक तक के भारतीय छात्रों को जा रही है। वे निम्नलिखित में से किसी भी संकट की स्थिति से गुजर रहे हों, जैसे - जनवरी 2020 से उनके माता-पिता/परिवार का कमाने वाले सदस्य जीवित न हों या परिवार के कमाने वाले सदस्य की नौकरी/रोजगार न हो। छात्रों ने एडमिशन लिया हो और अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हों। ऐसे अभ्यर्थी ही स्कॉलरशिप पाने के पात्र होंगे।

इनाम/लाभ : 30,000 रुपये तक प्रति वर्ष और मेंटरशिप लाभ

अंतिम तिथि : 30 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/CCSP1

अजय कुमार शर्मा को"मानद डॉक्टरेट" की उपाधि से किया गया सम्मानित

नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार अकादमी दुनिया की प्रतिष्ठित अकादमियों में से एक है। यह अकादमी समाज के विकास के लिए काम करती है और समाज के विकास में योगदान देने वाले लोगों और संगठनों को भी बढ़ावा देती है। इस सन्दर्भ में अकादमी ने मोरल ग्रुप ऑफ कंपनीज के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय कुमार शर्मा को उनके पिछले 14 वर्षों से उद्यमियों के विकास, सभी युवाओं के लिए रोजगार सृजन का अवसर प्रदान करने, सरकार के आत्मानिर्भर भारत मिशन जैसे और कई सामाजिक दायित्वों के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें चयनित सम्मानित किया। 'द मोरल ग्रुप ऑफ कंपनीज' अपने लोगों को नैतिक और नैतिकता बनाए रखने के लिए उनका मनोबल बढ़ाता है। कंपनी अब जीवन के अधिक दिलचस्प चरणों के साथ तालमेल बिठा रही है - एक ऐसे प्लेटफॉर्म से लक्षित-लोगों तक पहुंचने के लिए कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहा है। माइक्रो फाइनेंस, रियल एस्टेट, सॉफ्टवेयर, डिजिटल एसेट्स, को-ऑपरेटिव सोसाइटी, डायरेक्ट सेलिंग, लाइफ इंश्योरेंस, फार्मास्यूटिकल्स, एफएमसीजी, हर्बल एंड आयुर्वेदिक हेल्थ एंड पर्सनल केयर, ऑर्गेनिक एग्रो जैसे कई क्षेत्रों में कार्यरत है।